भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4030

जिसका उत्तर 12 अगस्त, 2026 को दिया जाना है

कोकिंग और नॉन-कोकिंग कोयले का आयात

4030. श्री ससिकांत सेंथिल:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश घरेलू मांग को पूरा करने के लिए कोकिंग और नॉन-कोकिंग कोयले का लगातार आयात कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान आयातित कोकिंग और नॉन-कोकिंग कोयले की मात्रा और मूल्य का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने आयातित कोकिंग कोयले पर घरेलू उद्योगों की निर्भरता का आकलन किया है और यदि हां, तो कुल घरेलू आवश्यकता को पूरा करने के लिए आयातित कोकिंग कोयले के अनुपात का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त अवधि के दौरान जिन प्रमुख देशों से कोकिंग और नॉन-कोकिंग कोयले का आयात किया गया है, उनका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा घरेलू कोकिंग कोयले के उत्पादन, परिष्करण और धुलाई क्षमता के विस्तार सहित आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कोयला एवं खान राज्य मंत्री

(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) और (ख) : देश में कोयले की अधिकांश आवश्यकता स्वदेशी कोयला उत्पादन के माध्यम से पूरी की जाती है। कोयले का आयात मुख्य रूप से इस्पात उद्योग के लिए कोकिंग कोयले और उच्च श्रेणी के तापीय कोयले जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है, जिनकी घरेलू उपलब्धता दुर्लभ भंडार या अनुपलब्धता के कारण सीमित है। इसके अलावा, आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) विद्युत संयंत्रों, जिन्हें आयातित कोयले पर प्रचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और घरेलू कोयला आधारित (डीसीबी) विद्युत

संयंत्रों द्वारा सम्मिश्रण आवश्यकताओं के लिए, जहां कहीं तकनीकी या प्रचालनात्मक रूप से आवश्यक हो, सहित विशिष्ट मामलों में आयात जारी रहता है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयले के आयात की मात्रा और मूल्य निम्नानुसार हैं:

(मात्रा मिलियन टन में और मूल्य मिलियन रुपये में)

वर्ष	कोकिंग कोयला	मूल्य रु.	नॉन-कोकिंग कोयला	मूल्य मिलियन रु.	कुल आयात	मूल्य मिलियन रु.
2023-24	58.81	1330003.62	205.72	1772150.89	264.53	3102154.51
2024-25	57.58	1032104.44	186.05	1463233.35	243.62	2495337.79
2025-26	66.33	1043805.34	180.04	1315729.74	246.37	2359535.08

(ग) : कोयले का आयात घरेलू मांग और घरेलू आपूर्ति के बीच के अंतर को पाटने के लिए किया जाता है। कोयला आयात नीति के अनुसार, कोयले के आयात को खुले सामान्य लाइसेंस (ओजीएल) के तहत रखा जाता है और कोयले के उपभोक्ता लागू शुल्कों के भुगतान पर अपनी संविदात्मक कीमतों के अनुसार अपनी पसंद के स्रोतों से कोयले का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस्पात उद्योग को उच्च श्रेणी के कोकिंग कोयले की आवश्यकता होती है, जो ब्लास्ट फर्नेस प्रक्रिया के लिए एक प्रमुख कच्चा माल है। कुल घरेलू कोकिंग कोयला आवश्यकता में कोकिंग कोयले के आयात का अनुपात निम्नानुसार है:

(मिलियन टन में)

वर्ष	कोकिंग कोयला आयात	धुले हुए कोकिंग कोयले का घरेलू उत्पादन	कुल घरेलू कोकिंग कोयला की आवश्यकता	आयातित कोकिंग कोयले का (%)
2023-24	58.81	5.40	64.21	91.60%
2024-25	57.58	5.90	63.48	90.71%
2025-26 (अनंतिम)	66.33	5.93	72.26	91.79%

(घ) : पिछले तीन वर्षों के दौरान कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयले के आयात का देश-वार विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

(*मिलियन टन में*)

देश	2023-24			2024-25			2025-26		
	कोकिंग	गैर-कोकिंग	कुल आयात	कोकिंग	गैर - कोकिंग	कुल आयात	कोकिंग	गैर - कोकिंग	कुल आयात
इंडोनेशिया	2.10	113.61	115.71	2.07	102.58	104.65	1.89	93.03	94.92
ऑस्ट्रेलिया	29.99	14.47	44.46	24.58	8.45	33.03	27.32	8.29	35.61
दक्षिण अफ़्रीका	0.00	28.72	28.72	0.00	31.13	31.13	0.00	32.19	32.19
रूस	5.50	17.62	23.12	8.21	15.44	23.65	9.25	18.70	27.95
यूएसए	8.48	13.82	22.30	8.48	11.66	20.14	9.91	13.23	23.14
सिंगापुर	5.39	4.70	10.09	5.70	5.27	10.97	7.17	5.54	12.71
मोज़ाम्बीक	2.24	7.49	9.73	3.43	4.93	8.36	4.91	4.37	9.28
कनाडा	3.17	0.00	3.17	1.75	0.00	1.75	1.50	0.00	1.50
स्विट्ज़रलैंड	0.82	2.21	3.03	0.85	1.25	2.09	0.75	0.33	1.08
यूएई	0.63	1.61	2.24	2.03	1.18	3.21	3.22	1.76	4.98
अन्य	0.49	1.47	1.96	0.48	4.16	4.64	0.41	2.6	3.01
कुल	**58.81**	**205.72**	**264.53**	**57.58**	**186.05**	**243.62**	**66.33**	**180.04**	**246.37**

(ङ.) : घरेलू कोकिंग कोयले के उत्पादन, परिष्करण और वॉशरी क्षमता सहित आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार है:

i. वार्षिक संविदात्मक मात्रा (एसीक्यू) को उन मामलों में नियामक आवश्यकता के 100% तक बढ़ाया गया है, जहां एसीक्यू को या तो नियामक आवश्यकता (गैर-तटीय विद्युत संयंत्र) के 90% तक कम कर दिया गया था या जहां एसीक्यू को नियामक आवश्यकता (तटीय विद्युत संयंत्र) के 70% तक कम कर दिया गया था।

ii. वर्ष 2020 में शुरू की गई गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) लिंकेज नीलामी नीति में संशोधन के तहत एनआरएस लिंकेज नीलामी में कोकिंग कोयला लिंकेज की अवधि को 30

वर्ष तक की अवधि के लिए संशोधित किया गया है।

iii. वर्ष 2026 में शुरू की गई एनआरएस लिंकेल नीलामी नीति में संशोधन के माध्यम से एनआरएस लिंकेज के उप-क्षेत्र "कोयला गैसीकरण के लिए सिनगैस के उत्पादन" से एनआरएस कोयला लिंकेज की नीलामी की अवधि को 30 वर्ष तक की अवधि के लिए संशोधित किया गया है।

iv. सरकार ने वर्ष 2022 में निर्णय लिया है कि कोयला कंपनियों द्वारा विद्युत क्षेत्र के सभी मौजूदा लिंकेज धारकों की पूर्ण विद्युत क्रय करार (पीपीए) की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ट्रिगर स्तर और एसीक्यू स्तरों पर विचार किए बिना कोयला उपलब्ध कराया जाएगा।

v. एनआरएस लिंकेज नीलामी के तहत मार्च, 2024 में एक नया उप-क्षेत्र 'डब्ल्यूडीओ मार्ग के माध्यम से कोकिंग कोयले का उपयोग करके इस्पात' सृजित किया गया है।

vi. कोकिंग कोयले के आयात को कम करने के लिए इस्पात क्षेत्र को कोकिंग कोयले की आपूर्ति बढ़ाने हेतु कोकिंग कोल मिशन शुरू किया गया है, जिसमें कोकिंग कोयला उत्पादन को बढ़ाने के लिए पहलें की गई हैं।

vii. आयातित कोयला आधारित (आईसीबी) संयंत्रों को संशोधित शक्ति नीति, 2025 के तहत कोयला प्राप्त करने की अनुमति दी गई है।

viii. मौजूदा ईंधन आपूर्ति करार (एफएसए) धारकों को मौजूदा एफएसए के तहत एसीक्यू कोयले की 100% खरीद के बाद संशोधित शक्ति नीति, 2025 के तहत कोयला प्राप्त करने की अनुमति दी गई है।

ix. गैर-विनियमित क्षेत्र लिंकेज नीलामी के तहत हाल ही में बनाई गई कोलसेतु विंडो के तहत कोयला वॉशरियों के लिए कोयला लिंकेजों की अनुमति दी गई है।

(II) इसके अलावा, आयातित कोकिंग कायेले पर निर्भरता कम करने के लिए कोकिंग कोयले और वॉश किए गए कोकिंग कोयले के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए कोयला कंपनियों द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं:

i. भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की मौजूदा खानों से कोयला उत्पादन बढ़ाना।

ii. कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने निजी क्षेत्र के साथ राजस्व हिस्सेदारी के एक नए नवोन्मेषी मॉडल पर 11 बंद की गई कोकिंग कोयला खानों की पेशकश की।

iii. 15 (मिलियन टन प्रति वर्ष) एमटीपीए की रेटेड क्षमता के साथ नई कोकिंग कोयला खानों (वित्त वर्ष 2029-30) के प्रचालन द्वारा उत्पादन बढ़ाना।

iv. 19.70 एमटीपीए की संयुक्त प्रचालन क्षमता के साथ 10 कोकिंग कोयला वाशरी कार्यरत हैं।

v. वर्ष 2029-30 तक 19.50 एमटीपीए की क्षमता के साथ 07 कोकिंग कोयला वाशरी की स्थापना।

vi. 4.23 एमटीपीए धुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए 3 पुरानी वाशरियों का मुद्रीकरण।

vii. सीआईएल के पास उपलब्ध कोकिंग कोयले के परिष्करण के लिए टाटा स्टील लिमिटेड जैसी निजी कंपनियों की वाशरियों की निष्क्रिय धुलाई क्षमता का उपयोग।

viii. धुलाई क्षमता में सुधार के लिए 4 पुरानी वाशरी (7.1 एमटीपीए) का नवीनीकरण।

****